समय : २.०० घंटे **पूर्णांक : ६०**

सूचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
२. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक, उप-प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखें।

प्रश्न १. निम्नलिखित में से किन्ही दो अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(२०)**

(क) "अम्माजी इस बिन मुँह के आदमी के कान मत तानो। कोई फायदा नहीं। दूध सूखे बैरियों की भैसों का। हमारी तो पूरा चार सेर देती है। यह कहो कि बिलौती नहीं दूध-दही का खर्चा..... घी बेचकर क्या मिलेगा ? पइसा नहीं कमाना हमें। अपने आदमी की देह बनानी है।"

(ख) "सच बोलने से नहीं रोक पायेंगे
अब शातिर देवता भी
फड़फडायेंगे इतिहास पृष्ठ / कहेंगे आओ, दर्ज कर दो
किसी भी पन्ने पर / अपने अंगूठे का निशान"

(ग) "लक्ष्मणपुरा के दड़वाह की जमीन गांव के आदिवासियों में बाँट दी जायेगी। उन्हें स्थायी पैसे भी दे दिये जायेंगे। बशर्ते कि वे नियमानुसार लेवी देने को राजी हों।"

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(३०)**

(च) 'झूला नट' उपन्यास में शीलो के जीवन में विसंगतियों के लिए कौन जिम्मेदार था, उसकी विस्तृत चर्चा कीजिए।
(छ) 'कथावाचक' कविता के भावार्थ को स्पष्ट कीजिए।
(ज) 'धूणी तपे तीर' उपन्यास के प्रमुख पात्रों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न ३. (ट) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। **(०५)**

i) शीलो के पति का नाम क्या है?
ii) सरसुती के छोटे बेटे का नाम लिखिए?
iii) ओमप्रकाश वाल्मीकि का जन्म कब हुआ?
iv) गोविंद गुरू को फौजी के घेरे में कतार बनाकर किस पठार से नीचे उतारा जाता है?
v) गोविंद गुरु के गुरु का नाम क्या था?

XROYADMINYF32AA9XROYADMINYF32AA9XROYADMINYF32AA9XROYADMINYF32AA9

प्रश्न ३. (ठ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए। **(०५)**

i) मैत्रेयी पुष्पा ने 'झूला नट' में वैयक्तिक एवं सामाजिक संघर्ष और द्वंद्व को चित्रित करने के लिए किस पात्र को विकसित किया है?

अ. सरसुती आ. शीलो इ. सुमेर ई. सरस्वती

ii) परिवार की इज्जत दाँव पर लगाकर दूसरा विवाह कौन करता है?

अ. बालकिशन आ. शीलो इ. सुमेर ई. सरस्वती

iii) 'जहर' कविता में दलित वर्ग दिन रात क्या देखते है?

अ. जिंदा रहने का सपना आ. सवर्णों की मानसिकता बदलना इ. समाज के प्रति भावुक होना ई. पिछड़े होने का डर

iv) 'तक्षक' का अर्थ क्या है?

अ. तिलकधारी लोग आ. साँप इ. छद्मवेशी ई. गुप्त मंत्रणा

v) "दल्ली ऽऽऽ! मेंई बैर लेई ली दो!! वह दल्ली का बदला लेकर अपना महाभारत जीत गया।" यह कथन 'धूणी तपे तीर' उपन्यास में किस पात्र का है?

अ. कुरिया आ. पूंजा धीरा इ. दीना डामोर ई. हरिया

****

XROYADMINYF32AA9XROYADMINYF32AA9XROYADMINYF32AA9XROYADMINYF32AA9